SHRI SUSHIL CHAND MOHUNTA: Is it unlimited, Sir?

MR CHAIRMAN; You see the Minister has stated that you must ask the Ministry of Finance; and he is not the person.

SHRI SUSHIL CHAND MOHUNTA: Whether he has taken permission or not?

MR CHAIRMAN: You are a very senior Member and you know what is the jurisdiction of different Ministries.

Now, Mr J. K. Jain.

श्री जी० के० जैन : सभापति महोदय, पहले तो मैं श्री राजेश पायलट को बधाई देना चाहता हूं कि आज उनका पहला क्वेश्चन आवर है। सभापति महोदय, डी० टी० सी० के अन्दर अनेक चीजों की बहार आई हुई है। अभी स्वयं मंत्री महोदय ने वहां पर कुछ रेड्ज वगैरह की और दुनिया भर की चीजें, स्पेयर पार्टस आदि पकड़े हैं। क्या इनको जानकारी है कि क्कूपन इतनी जबर्दस्त तादाद में फेक छपे हैं और दूसरी जो शार्टेज आफ कायन्ज की वजह से कई लाख रूपया बर्बाद हुआ है, क्या डी० टी० सी० ने फाईनांस मिनिस्ट्री से इस एमाउंट को रिइम्बर्स करने का कोई क्लेम किया है ? यदि नहीं, तो क्यों नहीं किया ? क्या मंत्री महोदय इसकी जानकारी देंगे ?

SHRI RAJESH PILOT; Sir, for the information of the House, the printing; cost of this coupon is 1 naiiya paise and we are only distributing 5 paise and 10-paise coupons. So, there are very little chances of bogus printing in this regard. Regarding taking over claim in the Finance Ministry, we are fighting for it so that they can help us.

SHRI VITHALBHAI MOTIRAM PATEL: Sir, may I know from the Hon'ble Minister whether they have approached the Reserve Bank for the coins? If so, what was the reply of the Reserve Bank?

MR. CHAIRMAN: We have discussed it yesterday.

*45. *[The questioner (Shri H. Hantt-manthappa was absent. For answer* vide Col. 34-35 infra].

*46. *[The questioner (Shri Nand Kishore Bhatt) was absent. For answer vide col.* 35 infra].

Suprious and sub-standard goods purchased by the DTC

*47. SHRI J. P. GOYAL:
SHRI RAM CHANDRA VIKALf

Will the Minister of TRANSPORT be pleased to state: ,

(a) whether it is a fact that the Minister of State for Surface Transport paid surprise visits to the different Delhi Transport Corporation depots and found spurious and sub-standard goods lying there; ,

(b) if so, what are the details of such goods discovered;

(c) what are the names of companies which supplied inferior goods to the Delhi Transport Corporation; and

(d) whether any responsibility has been fixed in regard thereto and what action is proposed to be taken against the staff of DTC involved and the supplier com panies?

THE MINISTER OF TRANSPORT (SHRI BANSI LAL): (a) and (b) Yes, Sir. The surprise visit was made to the DTCs Patpar Ganj Depot on 28-10-85. During the course of inspection, cartoms containing soap were opened in the stores Department and random samples were seen which appeared to be spurious. Some spare parts were also seized which were suspected to be sub-standards or spurious.

fThe question was actually asked on the floor of the House by. Shri Rain' Chandra Vikal.

(c) and (d) 11 officials of DTC have been suspended. The investigation has been entrusted to CBI and CVO of the Surface Transport Department has been entrusted with detailed enquiries into purchase procedures. Their reports are awaited. Pending investigation & enquiries, it will not be in public interest to give any further information.

श्री राम चन्द्र विकल: श्रीमन्, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि छापा मारने पर जो नकली स्पेयर पार्ट्स और साबुन पकड़ा गया उसमें कितना सामान खरीदने का आर्डर दिया गया था। उससे अन्दाजा लगेगा कि साबुन और स्पेयर पार्ट्स कितने का खरीदा गया। दूसरे एक ही डिपो पर छापा मारने पर इतनी गलतियां मिली तो उसी दिन और डिपोज पर छापा क्यों नहीं मारा गया ताकि सारा भंडाफोड़ हो जाता और सारी गलतियां मालूम हो जातीं ?

श्री राजेश पायलट: माननीय सदस्य का कहना बिल्कुल सही है कि अगर उस दिन सब जगह जाते तो और गलतियां मिल सकती थीं, लेकिन जैसा मैंने बताया पटपड़गंज में छापा मारा गया। उसके बाद 9 अफसर हर जगह भेजे और जो भी आइटम सील हो सकते थे वह सील करा दिए गए। जहां तक एमाउन्ट की बात है, दस-बारह लाख का साबुन हम हर साल खरीदते हैं और बड़े स्टैंडर्ड की फर्म से खरीदते हैं। हमने शुरू में प्रयत्न किया था। कि डायरेक्ट सप्लाई करें लेकिन उनकी तरफ से जवाब आया कि स्टाकिस्ट के थ्रू ही सप्लाई करेंगे। 15 स्टाकिस्टस की लिस्ट उन्होंने दी और उन स्टाकिस्ट्स से डी0 टी0 सी0 के प्रोसीजर के अनुसार सामान खरीदा गया। जो भी आफिसर इससे कन्सर्न्ड थे, इन्सपैक्शन टीम के थे, सैन्ट्रल परचेज स्टोर डिपार्टमेन्ट के थे, उन सब आफीसर्स के खिलाफ एक्शन इसलिए लिया गया जिससे पता लग सके कि इसमें और कितनी त्रुटियां पाई जा सकती हैं। बहुत साफ नियत से विभाग में सुधार लाने के लिए ये कदम उठाए गए हैं। सी0 बी0 आई0 को इसलिए दिया गया है क्योंकि और फर्म भी इन्वाल्वड हैं जिससे गहराई से पता लग सके कि क्या गड़बड़ी थी और आगे कोई ऐसी घटना न घट सके।

श्री राम चन्द्र विकल : मैं यह जानना चाहूंगा कि जिन आफिसरों को सस्पेंड किया गया उनके नाम बताने की कृपा करें। दूसरे सी0 बी0 आई0 जो केस दिया गया है उसमें कितना समय लगेगा ? लम्बे समय के माने यह है कि चीज को टाल दिया जाये। डिपार्टमेन्टल इन्क्वारी क्यों नहीं की गई सी0 बी0 आई0 को देने से पहले?

श्री राजेश पायलट: चेयरमैन सर, माननीय सदस्य की जानकारी के लिए डिपार्टमेंटल इनक्वायरी उसी दिन आर्डर कर दी गई थी जो चल रही है और आज या कल तक कम्पलीट हो जाएगी। सी0 बी0 आई0 को इस लिए दिया गया है कि सरकार की इच्छा यह नहीं है कि किसी को नौकरी से निकाला जाय, सरकार का प्रयत्न यह है कि गलत आदमी को सजा दी जाय, गलत आदमी को बढावा न दिया जाय और जो आर्गनाइजेशन डिपार्टमेंट के अंडर नहीं है, जिन पर उसका अधिकार नहीं है, उनको सी0 बी0 आई0 के परव्यू में लाकर इनक्वायरी की जाये।

श्री माधवराव सिंधिया: जहां तक टाइम की बात है, हम कोशिश कर रहे हैं कि सरकार इस के लिए जल्द कदम उठाये और सख्त से सख्त कदम उठाए ताकि ऐसी चोरियां या गड़बड़ियां ना हों।

श्री राम चन्द्र विकल: आपने अधिकारियों के नाम नहीं बताए।

श्री माधवराव सिंधिया : 11 आफिसर्ज हैं। मैम्बर साहब यदि नाम चाहे तो मैं अलग से बता दूंगा।

श्रीमती शान्ती पहाड़िया: श्रीमान्, मैं यह पूछना चाहती हूं कि एक्शन लिया जाएगा, इन्होंने कहा, लेकिन क्या एक्शन लिया जायगा ? हर जगह ये चैकिंग करते हैं, लेकिन जो भी पैसा आता है वह डी0टी0सी0 के कंडक्टर अपनी जेब में डाल लेते हैं। सवारी को चलती बस में से उतारते हैं और इतने झटके से उतारते हैं कि सवारी का पता नहीं कि वह कहां जाए।

दूसरी बात मैं यह जानना चाहती हूं कि रेलवे के बहुत से सामान चोरी हो जाते हैं,

स्लीपर चोरी हो जाते हैं, पटरियां उखाड़कर कबाड़ियों को बेच दी जाती हैं। इसकी ओर भी आप ध्यान देने की मेहरबानी करेंगे।

श्री माधवराव सिंधिया : चेयरमैन साहब, सदस्य महोदया की जो सजेशन्स हैं वे बहुत सही हैं और हम भी बड़े झटके से कोशिश कर रहे हैं कि चोरियां न हों। हम लोगों ने 16 स्कवॅड्स बनाई हैं जो जगह-जगह कंडक्टर्स को चैक करें ताकि वे सही जगह पर बस रोकें, सही जगह से उठायें। जहां तक ये कह रही हैं कि उतरते हुए टिकट दी जाती है तो शायद आप राजस्थान रोडवेज के बारे में कह रही होंगी क्योंकि डी. टी. सी. में ऐसा नहीं होता है।

श्रीमती शान्ती पहाड़िया : यह बात डी0 टी0सी0 में होती है।

श्री माधवराव सिंधिया: डी0टी0सी0 में जब बस में चढते हैं तो उसी समय टिकट लेना पड़ता है क्योंकि उतरना आगे से पड़ता है।

MR. CHAIRMAN; Question No. 48 Transferred. Question No. 49.

*48. *[Transferred from to the 26th November,* 1985.]

Seepage in the Taj Mahal Dome

*49. SHRI KAPIL VERMA: *f*
SHRI SUKOMAL SEN:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that seepage of water in the Taj Mahal has been detected;

(b) if so, the date on which the seepage was first detected and at how many spots;

(c) what measures Government have taken to plug the seepage;

(d) what are the reasons for not taking timely measures to prevent the seepage; and

(e) whether it is a fact that the industrial pollution i_s the main factor responsible for the seepage if so, which industrial units are responsible for the seepage?

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Kapil /erma.

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF EDUCATION AND CULTURE (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI); (a) Yes, Sir.

(b) Th_e seepage was detected on 10th October, 1985 at one spot.

(c) The seepage has been plugged by removing the aged and pulverised lime concrete $_0$n and around the berm, and by relaying fresh lime concrete mixed with necessary water proofing compound.

(d) The seepage was a sudden development due, to unseasonal and unprecedented rains. Timely measures were taken to prevent the seepage a_s soon as it was detected.

(e) No, Sir.

SHRI KAPIL VERMA: Sir, Taj Mahal is one of the seven wonders of the world and any damage to it will be of great concern not only to people in this country but to people of other parts of the world also. The answer is not very clear. It only says that seepage occurred at one spot. I am told that it is at the dome. So I want the hon. Minister to give us full details of the seepage—how much area of the dome has been affected, where exactly it has taken place and what is the damage.

SHRIMATI SUSHILA ROHATGI: Sir, I share the concern of the hon. Member so far as the importance and marvel of the Taj Mahal is concerned, both from our point of view and from the point of view of its international fame. On the basis of the reports that we have, we find that it was detected on the 10th October and the same day the site was inspected by the Superintending Archaeologist and the cause of the seepage was identified. Tlie inspection revealed that due to unprecedented and incessant rains, seepage of water occurred at one spot in the north-east corner of the berm belonging to the drum of the dome. The area was immediately identified and covered with